हिन्दी प्रादेशिक समाचार
आकाशवाणी चंडीगढ़
09 दिसंबर 2024, समय 1810

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज पानीपत से बीमा सखी योजना का शुभारंभ किया और बीमा सखियों को नियुक्ति प्रमाण पत्र प्रदान किए।
- श्री मोदी ने करनाल में महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविधालय की आधारशिला रखी।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 10 वर्षों में उनकी सरकार ने महिला सशक्तिकरण के लिए अनेक कदम उठाए हैं और बीमा सखी योजना इसी दिशा में एक और कदम है।
- महिलाओं ने प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई बीमा सखी योजना का स्वागत किया।
- अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में पुरुषोत्तमपुरा बाग में संत सम्मेलन आयोजित किया गया।

**********

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज पानीपत से भारतीय जीवन बीमा निगम की बीमा सखी योजना  का शुभारंभ किया। उन्होंने इस अवसर पर बीमा

सखियों को नियुक्ति प्रमाण पत्र भी प्रदान किए। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने करनाल में महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर की आधारशिला भी रखी। इस परिसर और छह क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्रों र की स्थापना पर 700 करोड़ रुपए से अधिक की लागत आएगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 10 वर्षों में उनकी सरकार ने महिला सशक्तिकरण के लिए अनेक कदम उठाए हैं और बीमा सखी योजना इसी दिशा में एक और कदम है।

श्री मोदी ने कहा कि देश को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए ऊर्जा के कई नए स्रोतों की ज़रूरत है और ऐसा ही एक स्रोत देश की नारी शक्ति है जो आने वाले समय में सबके लिए प्रेरणा स्रोत रहने वाली हैं। उन्होंने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए आगे बढ़ने के और अवसर उपलब्ध करवाने पर जोर देते हुए कहा कि लंबे समय तक अनेक काम महिलाओं के लिए वर्जित थे लेकिन उनकी सरकार ने सभी बाधाओं को हटाने का काम किया।

श्री मोदी ने कहा कि किसानों और पशु पालकों की कई सहकारी समितियों का नेतृत्व भी महिलाएं कर रही हैं।प्रधानमंत्री ने कहा कि महिलाएं आज बैंक सखी, कृषि सखी, बीमा सखी और ड्रोन व लखपति दीदी के रूप में काम करके न केवल ख़ुद को सशक्त कर रही हैं बल्कि अनेक परिवारों को सामाजिक सुरक्षा का कवच देकर भारत का भाग्य

बदल रही हैं।उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं की छुट्टी 26 सप्ताह करने का लाभ अनेक बेटियों को मिला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने ग्रामीण महिलाओं के लिए जो क्रांतिकारी नीतियां बनाई हैं और जो निर्णय लिए हैं वो अध्ययन का विषय है।जन धन योजना का ज़िक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले महिलाएं बैंकिंग व्यवस्था से कटी हुई थीं। उन्होंने कहा कि जन धन योजना के तहत 30 करोड़ बहनों बेटियों के खाते खोले गए जिससे कोरोना काल में उन तक मदद पहुंच सकी। किसान निधि के पैसे और सुकन्या समृद्धि योजना का लाभ उनके खाते में पहुंचना संभव हुआ। उन्होंने कहा कि मुद्रा योजना के बिना, महिलाओं को बिना गारंटी ऋण मिलना मुश्किल था। श्री मोदी ने कहा कि जिन महिलाओं के कभी बैंक खाते नहीं थे वो बैंक सखी के रूप में लोगों को बैंक से जोड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि जिनका कभी बीमा नहीं होता था अब उनको बीमा सखी बनाने का काम शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत 2 लाख रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि 18 से 70 वर्ष तक की 10वीं पास महिलाओं को इस योजना के तहत बीमा सखी का प्रशिक्षण दिया जाएगा और 3 साल तक भत्ता भी दिया जाएगा। श्री मोदी ने कहा कि बीमा सखियां हर वर्ष औसतन पौने 2 लाख रुपए कमाएंगी।इस अवसर पर श्री मोदी ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का ज़िक्र करते हुए कहा कि इन योजनाओं के तहत अब तक 20 हज़ार करोड़ रुपए की दावा राशि दी जा चुकी है।स्वयं सहायता समूह का ज़िक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की 10 करोड़ बहनें इन समूहों से जुड़ी हैं और 10 साल में स्वयं सहायता समूहों को 8 लाख करोड़ रुपए से अधिक की मदद उपलब्ध कराई गई है।

उन्होंने कहा कि यह समूह सामाजिक न्याय को सशक्त कर रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि कृषि सखियों को जैविक और प्राकृतिक खेती के बारे जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस तरह वो धरती मां और मानवता की सेवा कर रहीं हैं। उन्होंने अपने संबोधन में शौचालयों के निर्माण, उज्जवला योजना, नल से जल और महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का ज़िक्र भी किया।

**********

महिलाओं ने प्रधानमंत्री द्वारा आज शुरू की गई बीमा सखी योजना का स्वागत किया है।

सभी महिलाओं ने कहा कि यह योजना उन्हें सशक्त बनाने में मददगार साबित होगी।

**********

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में आज ब्रह्म सरोवर पुरुषोत्तमपुरा बाग में संत सम्मेलन का आयोजन हुआ । संत सम्मेलन में पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज, मध्य प्रदेश से स्वामी अवधेशानंद, पंजाब से बाबा भूपेंद्र जी, आरएसएस के प्रांत प्रचारक सुरेंद्र पाल व अनेक संत महात्मा शामिल हुए।इस अवसर पर स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने कहा कि 5 हजार 161 वर्ष पूर्व इसी धर्म धरा पर दिया गया गीता का उपदेश, गीता जयंती समारोह के माध्यम से पूरे विश्व का उद्घोष बना है। पूरे विश्व की प्रेरणा बना है ।उन्होंने कहा कि भगवत गीता की सार्वभौमिकता जो गीता जी के पन्नों तक दिखती थी अब संसार में फैलने लगी है और विश्व में उठती युद्ध की विभीषिकाओं का वैचारिक

व्यवहारिक व तर्क संगत समाधान श्रीमद् भागवत गीता में हैपंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि गीता के उपदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद का अहम योगदान है मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि गीता में कहा गया है कि कर्म करो लेकिन इसमें लिप्त नहीं होना चाहिए। गीता भारतीय दर्शन की जीवन पद्धति है।

पंजाब के राज्यपाल व मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने गीता महोत्सव के दौरान गीता ज्ञान संस्थानम के जियो गीता संग्रहालय का अवलोकन किया और कृपा बिहारी मंदिर में पूजा-अर्चना भी की ।

**********

भिवानी जिले के गांव कलिंगा स्थित श्रीबालाजी वरिष्ठ माध्यमिक विधालय में 14 व 15 दिसंबर को लडक़े व लड़कियों की 17वीं सब जूनियर हरियाणा राज्य नेटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन होगा। इस चैंपियनशिप के लिए ट्रायल कल दोपहर 2 बजे से श्रीबालाजी वरिष्ठ माध्यमिक विधालय में होंगे । जिला नेटबाल एसोसिएशन के अध्यक्ष पवन ने बताया कि चैंपियनशिप में भिवानी नेटबाल की दोनों वर्गो की टीम भाग लेंगी। उन्होंने बताया कि ट्रायल में वही खिलाड़ी भाग ले सकेगा, जिसका जन्म 31 दिसंबर 2008 के बाद हुआ है। उन्होंने बताया कि ट्रायल में हिस्सा लेने के लिए और खिलाड़ी को 2024-25 नेटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया की पंजीकरण संख्या, अपना जन्म प्रमाण-पत्र व आधार कार्ड प्रस्तुत करना होगा।

---